IMPACT STORIES FORMAT

Story Title	दृढ़ संकल्प की रोशनीवेला राम मीणा के संघर्ष और : सफलता की कहानी
Date	02/10/2024
Prepared by	आशा चौहान
Name of partner Organization	गायत्री सेवा संस्थान
Name of Daksha/Daksh	वेला राम मीणा
Name of SKB centre	पंचोर फला
Cluster	अग्गड
Block	लसाडिया
District	सलूंबर

BACKGROUND/CONTEXT:

वेला राम मीणा, उम्र 30 वर्ष, उदयपुर जिले के लसाडिया तहसील के कालादाता गांव के निवासी हैं। उनकी पंचायत आंजणी में स्थित है। वेला राम जी ने पंचोर फला में सखियों की बाड़ी केंद्र की स्थापना की, जो उनके घर से 2 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित है। उन्होंने पैदल चलकर दुर्गम और जंगली क्षेत्र में इस केंद्र का संचालन शुरू किया, जहाँ बिजली, पानी, और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उनके सर्वेक्षण में 42 बालक/बालिकाओं को शिक्षा से वंचित पाया गया, जो घरेलू कार्य और खेत के कामों में व्यस्त थे।

शारीरिक दिक्कतों के बावजूद, वेला राम जी ने सखियों की बाड़ी केंद्र शुरू किया। इस क्षेत्र में न तो कोई मां बाड़ी केंद्र था और न ही कोई सरकारी विद्यालय। क्षेत्र के जटिल भौगोलिक और सामाजिक परिदृश्य ने शिक्षा को एक असंभव सपना बना दिया था, लेकिन वेला राम जी ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और केंद्र को शुरू करने के लिए क्लस्टर हेड से संपर्क किया।

CHALLENGES FACED:

पंचोर फला का इलाका पहाड़ों और जंगलों के बीच स्थित है, जहाँ शिक्षा को लेकर लोगों में जागरूकता नगण्य थी। समुदाय के लोग मुख्यतः खेती और बकरी पालन पर निर्भर थे। फले में बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, जिससे शिक्षा का स्तर बहुत नीचे था।

शुरुआत में, केंद्र की स्थापना और बच्चों को नियमित रूप से आने के लिए प्रेरित करना एक कठिन कार्य था। वेला राम जी बताते हैं कि लोगों को शिक्षा के महत्व को समझाना और उन्हें केंद्र पर भेजना चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि वे बच्चों को पढ़ाई की जगह घर के कामों में लगाते थे।

INTERVENTION/ACTIVITIES:

वेला राम जी ने साहस और समर्पण से इस चुनौती को स्वीकार किया और बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के लिए उन्होंने विभिन्न शिक्षण विधियों का सहारा लिया। उन्होंने बच्चों के लिए बालगीत, कविताएँ, खेल और टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स) का उपयोग किया, ताकि शिक्षा को रोचक बनाया जा सके। बच्चों के सीखने के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए उन्होंने खेल-खेल में पढ़ाई को प्राथमिकता दी, जिससे बच्चों ने शिक्षा में दिलचस्पी लेना शुरू किया।

समुदाय के लोगों ने भी वेला राम जी की मेहनत को पहचानना शुरू किया और धीरे-धीरे उनके प्रयासों का समर्थन करने लगे। वेला राम जी की लगन ने पंचोर फला केंद्र को एक मजबूत आधार दिया, जो अब नियमित रूप से चल रहा है। समय-समय पर समुदाय के लोग भी केंद्र में आकर उनकी मदद करने लगे हैं, जिससे सामुदायिक सहभागिता और सहयोग भी बढ़ा है।

OUTCOMES:

वेला राम जी की कड़ी मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप, बच्चों का शैक्षिक स्तर काफी बेहतर हो गया है। केंद्र पर बच्चों की उपस्थिति बढ़ी है, और बच्चे अब शिक्षा के महत्व को समझने लगे हैं। जो बच्चे पहले घरेलू कामों में लगे रहते थे, अब नियमित रूप से केंद्र पर आ रहे हैं और उनकी पढ़ाई में रूचि भी बढ़ी है।

समुदाय के लोग भी इस बदलाव से प्रसन्न हैं और वेला राम जी के प्रयासों की सराहना करते हैं। वेला राम जी का संघर्ष और सफलता यह दर्शाता है कि कैसे कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा की लौ जलाकर बच्चों और उनके परिवारों का भविष्य उज्ज्वल किया जा सकता है। उनका समर्पण यह साबित करता है कि समर्पण और मेहनत से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

वेला राम मीणा ने यह साबित कर दिया है कि शिक्षा के माध्यम से समुदाय में जागरूकता लाने के लिए इच्छाशक्ति और समर्पण सबसे महत्वपूर्ण है। उनका संघर्ष उन सभी के लिए प्रेरणा है जो शिक्षा के माध्यम से समाज में बदलाव लाना चाहते हैं।

GOOD QUALITY IMAGE: - 3-4 IMAGES (Attach below)